विद्या मन्दिर देवरिया में आचार्य विकास वर्ग सम्पन्न

अच्छी पाठ्य योजना शिक्षण कौशल में सहायक—डा0 राधेश्याम

देवरिया।। विद्या भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित विद्यालय सरस्वती वरिष्ठ माध्यमिक विद्या मन्दिर देवरिया खास देवरिया में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अन्तर्गत नई शिक्षा नीति के अनुसार विद्या भारती के विद्यालयों में आचार्य शिक्षण कौशल को ओर बेहतर बनाने की दिशा में 2 दिवसीय आचार्य विकास का आयोजन किया । यह आयोजन दिनांक 11 नवम्बर 2024 की सायंकाल से 12 नवम्बर 2024 की सायंकाल तक कुल पाँच सत्रों में चला। प्रत्येक सत्र में अपनी शिक्षा प्रणाली को नई शिक्षा नीति के अन्तर्गत बनाने और शिक्षा को और बेहतर बनाने के लिये कई (विद्यालय में वन्दना, 21वीं सदी का कौशल , Classroom Process मे पाठ्य योजना NEP आधारित पाठ्य योजना का निर्माण, आचार्य दैनन्दिनी का निर्माण) विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया।

आज के कार्यक्रम की शुरुवात मा0 अतिथि श्री राम सिंह, दिवाकर मिश्र, अनिरुद्व सिंह ,रविन्द्र श्रीवास्तव, सतीश चन्द मिश्र, अशोक जी , जयप्रकाश प्रातः 6.30 बजे से प्रातः स्मरण एकात्मतास्त्रोत से प्रारम्भ हुआ। द्वितीय सत्र में सरस्वती शिशु मन्दिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्या मन्दिर सुभाषचन्द्र बोस नगर गोरखपुर के प्रधानाचार्य श्री राजेन्द्र पाण्डेय ने क्लासरुम प्रासेस विषय पर अपना प्रशिक्षण प्रारम्भ करते हुये कहा कि कक्षा में जाने से पूर्व पढ़ाने वाले पाठ को पढ़कर जाने से, सहायक सामग्री साथ लेकर ओर पाठ्य योजना के निर्माण करने से हम छात्र को ओर बेहतर शिक्षा प्रदान कर सकते है। आज का विद्यार्थी इन्टरनेट से जुड़ा है वह हमसे भी ज्यादा अपडेट हो सकता है। इसलिये आचार्य को सदैव अपडेट रहना होगा। इसके लिये यदि अपने आप को बदलना पड़े तो भी उसके लिये तैयार रहना होगा। हमारी शिक्षण सामग्री सामाजिक एव तकनीकी आधारित होनी चाहिये।

सत्र के तृतीय चरण में सरस्वती शिशु मन्दिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्या मन्दिर सुभाष चन्द्र बोस नगर गोरखपुर के भौतिक विज्ञान प्रवक्ता श्री राधेश्याम जी ने NEP पर आध्यारित पाठ्य योजना का निर्माण विषय पर अपना प्रशिक्षण देते हुये बताया कि आदर्श पाठ्य योजना में ज्ञानात्मक , गुणात्मक कौशलात्मक, बोधात्मक आदि सभी गुण होने चाहिये। बच्चे की अभिवृत्ति का विकास परिवार ,समाज विद्यालय एवं व्यक्तिगत अनुभव से होगा। इसके लिये आदर्श पाठ्य योजना एक शिक्षक के लिये रोडमैप का काम करती है।

चतुर्थ चरण मे विद्या भारती गोरक्ष प्रान्त के मा0 प्रदेश निरीक्षक श्री राम सिंह जी ने आचाय्र दैनन्दिनी, छात्र दैनन्दिनी, प्रभावी सम्पर्क एव छात्र उपस्थिति पंजी पर विस्तार रुप से चर्चा की। उन्होने बताया कि विद्या भारती के 13000 विद्यालयों में लगभग 150000 शिक्षार्थी जिसमें 23320 शिक्षण संस्थान, 600 पूर्णकालिक कार्यकर्ता , 600 प्राथमिक 4900 माध्यमिक, 935 उच्च माध्यमिक, 2320 उच्चतर माध्यमिक के साथ साथ 7 सैनिक स्कूल भी विद्या भारती द्वारा संचालित है। उन्होंने कहा कि आचार्य दैनन्दिनी की ठीक प्रकारसे पूर्णता प्रभावी अभिभावक सम्पर्क, पूछताछ की प्रवृत्ती को अभ्यास में लाना चाहिये ।आज छात्रों में जो असंगतियाँ देखने को मिल रही है वह सब हमारे अधुरे सम्पर्क का परिणाम है। विद्या मन्दिर का आचार्य अपने आचरणसे शिक्षा देने के लिये जाना जाता है। कार्यक्रम के अन्त में विद्यालय के प्रबन्धक श्री मुन्नी लाल शर्मा जी ने अपने आशीर्वचन में सभी आगन्तुकों के लिये हार्दिक शुभेच्छा के साथ कार्यक्रम में सहयोग के लिये सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम को संचालन आचार्य श्री अशोक यादव ने किया।

प्रधानाचार्य